Samyak
An Institute For Civil Services

RAS - 23 MAINS TEST SERIES

सिद्धि-II - 005

Time : 3 Hours | **Maximum Marks : 200**

प्रशासकीय नीतिशास्त्र
Administrative Ethics

Paper - IInd Unit - I

Name :		MARKS	
Enroll. No.:	Part	Attempted Questions	Marks Obtained
Date of Birth :	Part - A		21
Medium : Hindi	Part - B		36
E-mail :	Part - C		35
Exam Date : 3/3/2024	Total		92
Inviligator's Signature :			
ECN: / RCN:	Hindi: ✓ 11	English:	7½

अनुदेश (Instructions)

1. परीक्षा शुरू होने से पहले पुस्तिका को जाँच लें।
   Please check the booklet before commencement of the exam..
2. अंक योजना प्रत्येक खंड के प्रारम्भ में दी गई है।
   The marking scheme is given at the start of every section.
3. अभ्यर्थियों को उत्तर निर्धारित शब्द सीमा से अधिक नहीं लिखना चाहिए, इसका उल्लंघन करने पर अंक काटे जा सकते हैं।
   Candidates should not write more than the prescribed word limit in answers, violating this may result in deduction of marks.
4. अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि किसी भी प्रश्न का उत्तर प्रश्नोत्तर पुस्तिका में निर्धारित स्थान पर ही लिखें। बॉर्डर लाईन से बाहर प्रत्युत्तर नहीं लिखें। बॉर्डर लाईन के बाहर लिखे गये उत्तर को जाँचा नहीं जायेगा।
   Candidates are directed to write answers only in the prescribed space of booklet. They should not write answer outside the border line. Answer written outside the border line will not be checked.

SAMYAK, Near Riddhi Siddhi, Gopalpura Bypass, Jaipur, 9875170111
Test Series Helpline & Whatsapp - 9414988860, Email Id - samyaktestseries@gmail.com

	REVIEW PARAMETERS	SCALE			
		Good	Above Average	Average	Below Average
1.	DOES THE ANSWER ADDRESS THE DEMAND OF THE QUESTION?			✓	
a.	Answer Relevancy			✓	
b.	Answer Enrichment points like use of: · Key Terms/ Subject Vocabulary.			✓	
	Use of Commission/ report/ government publication/ judgements, etc.				✓
	Association with the Current Affairs and use of examples to explain the concept and idea				✓
2.	HOW WELL IS THE ANSWER PRESENTED?			✓	
a.	Structure - Intro, Body, Conclusion		✓		
b.	Presentation – Using Subheadings/ points/ highlighting/ flowcharts/ diagrams/ maps			✓	
c.	Language & Grammar			✓	
d.	Word limit			✓	

Detailed Comments / Feedback / Suggestions for Improvement
विस्तृत टिप्पणियाँ/फीडबैक/सुधार के लिए सुझाव :-

1. 100 शब्द वाले प्रश्नो मे प्रस्तुतीकरण सुधारे।
2. विषयगत समझ ठीक है।
3. हिंदी व अंग्रेजी मे सुधार करें।
4.
5. कुछ प्रश्नो का उत्तर डायग्राम मे दिया जा सकता है
6. कोशिश करें सभी का उत्तर अलग-अलग प्रस्तुतीकरण
7. से दें। ⊙ Attempt all questions.
8.
9. निरंतरता बनाये रखे प्रयास अच्छा है। ⊙ Need to work on content of answers.
10.
11. ⊙ Presentation of 10 mark answer is very important.

Part - A

Note : Answer the following questions in 15 words. Each question carries 2 marks.

नोट : निम्न प्रश्नों के उत्तर 15 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. कन्फ्यूशियस के अनुसार नैतिक जीवन के संचालन के मूल सिद्धान्तों का नाम लिखिए।
According to Confucius, write the name of the basic principles of conducting moral life.

(Write above this line only)

2. बेंथम द्वारा प्रतिपादित 'सुख मापक यंत्र/सुखवादी परिगणना' के आधारों को लिखिए।
Write the basis of 'happiness measuring instrument/hedonic calculation' propounded by Bentham.

आधार → ① निश्चितता ② शुद्धता
⇓ ③ निकटता ④ उत्पादकता
ये 7 हैं। ⑤ व्यापकता ⑥ अवधि
⑦ तीव्रता

① विस्तार
② निकटता - दूरी

1½

(Write above this line only)

3. कांट के मतानुसार नैतिकता की पूर्वमान्यताएँ कौनसी हैं?
According to Kant, what are the presuppositions of morality?

नैतिकता की पूर्वमान्यताएँ -

① संकल्प स्वातंत्र्य - व्यक्ति अपने निर्णय करने हेतु स्वतंत्र है।

② ईश्वर का अस्तित्व - यद्यपि प्रमाण द्वारा सिद्ध नहीं किया जा सकता किंतु सुलक्ष्य। हेतु इसे माना।

③ आत्मा की अमरता - आत्मा अतीन्द्रीय विषय है किंतु नैतिकता की स्थापना हेतु माना।

2

(Write above this line only)

4. "शैक्षणिक संस्थानों में 'पाठयक्रम सहगामी क्रियाएँ' मूल्य विकसित करने में सहायक होती हैं।" स्पष्ट कीजिए।
"Co-curricular activities' are helpful in developing values in educational institutions." Explain-

पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाएँ –

① आपसी समन्वय बढ़ाती है।

② आत्मविश्वास की भावना का विकास करती है व अनुशासन का मूल्य प्रदान करती है

③ सामाजिक स्वीकार्यता के मूल्य को स्थापित करती है

इस प्रकार मूल्य निर्माण में महत्त्वपूर्ण योगदान प्रदान करती हैं।

ईमानदारी
टीम भावना
सत्यनिष्ठा
धैर्य व
सहनशीलता

(Write above this line only)

5. मूर द्वारा प्रतिपादित 'प्रकृतिवादी तर्कदोष' की अवधारणा को स्पष्ट करें।
Explain the concept of 'Naturalist Fallacy' propounded by Moore.

(Write above this line only)

6. सुकरात के नैतिक दर्शन के अनुसार 'ज्ञान व सद्गुण के मध्य संबंध' को स्पष्ट कीजिए।
According to the moral philosophy of Socrates, explain the 'relationship between knowledge and virtue'.

सुकरात के अनुसार सिर्फ एक ही सद्गुण है वह है - ज्ञान जो विवेक, साहस, संयम को समाहित किये हुए है। इस प्रकार उनके दर्शन में इन दोनों में एकरूपता का संबंध है।

सद्गुण
ज्ञान का
परिणाम
ज्ञान
↓
ज्ञान से
ही सद्गुण
प्राप्त किया
जाता

(Write above this line only)

संकटकालीन या विशेष परिस्थितियों स्वधर्म की पालना

7. श्रीमद् भगवद्गीता में उल्लेखित 'आपद धर्म' की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।
Throw light on the concept of 'Apad-Dharma' mentioned in Srimad Bhagavad Gita.

आपद धर्म का तात्पर्य है - आपातकालीन स्थितियों अथवा जरूरत पड़ने पर अपने कर्तव्यों के साथ ही अन्यों के कर्तव्यों का भी पालन करना। उदा. बाढ़ की स्थिति में सिविल सेवक द्वारा अपने कर्तव्यों से भिन्न कार्य करना।

(Write above this line only)

- नैतिकता का मापदंड
- उद्देश्य की प्राप्ति में सहायक होना

8. 'शुभ' का तात्पर्य स्पष्ट कीजिए।
Explain the meaning of 'Shubha'.

शुभ का तात्पर्य है - वे वांछनीय कर्म जो आवश्यकता व इच्छा की पूर्ति के लिये आवश्यक हैं। ये दो प्रकार से वर्गीकृत है - सापेक्ष शुभ व निरपेक्ष शुभ।

(Write above this line only)

9. बौद्ध धर्म के अनुसार निर्वहन किये जाने वाले 'दस कुशल कर्म' को उल्लेखित कीजिए।
Mention the 'ten percepts' to be performed according to Buddhism.

(Write above this line only)

10. 'स्यादवाद' पर टिप्पणी लिखिए।
Write note on 'Syadvada'.

(Write above this line only)

11. प्लेटो का 'न्याय' किस प्रकार राजनीतिक समाज के निर्माण में सहायक है?
How is Plato's 'Justice' helpful in building political society?

प्लेटो का 'न्याय' अपने प्रत्ययों के अनुसार कार्य विभाजन कर कार्य की सुनिश्चितता तय करता है व यह टकराव को समाप्त कर कार्य में गुणवत्ता लाता है। यह विशेषज्ञता, स्थान आदि के आधार पर विभाजन तय होता है व समाज का निर्माण तय करता है।

1

(Write above this line only)

12. राजनीतिक अभिवृत्ति
Political attitude

किसी राजनैतिक दल, व्यक्ति, विचारधारा, आदि के प्रति सकारात्मक या नकारात्मक विचार रखना ही राजनीतिक अभिवृत्ति कहलाता है। यह उम्र, वित्तीय स्थिति, लिंग, आदि द्वारा तय होती है।

व्यावहारिक क्रियाकलापों को इंगित करता है

1

(Write above this line only)

13. श्रीमद् भगवद्गीता में उल्लेखित 'लोकसंग्रह' का तात्पर्य स्पष्ट कीजिये।
Explain the meaning of 'Loksangraha' mentioned in Srimad Bhagavad Gita.

श्रीमद् भगवद्गीता में उल्लेखित 'लोकसंग्रह' का तात्पर्य है लोगो के हित में किसी वस्तु का संग्रह करना जो (कि) समाज के कल्याण को सुनिश्चित करे।

बिना फल की इच्छा लोकहित या लोक कल्याण के लिए कर्म करना।

(Write above this line only)

14. किन्हीं चार नैतिक सम्प्रत्ययों के नाम लिखिए।
Write the name of any four moral concepts.

① आत्मपूर्णतावाद
② सुखवाद
③ उपयोगितावाद
④ अन्तःप्रज्ञावाद

व्यक्ति के आचरण के नैतिक मूल्यांकन के लिए
① शुभ एवं अशुभ
② उचित एवं अनुचित

(Write above this line only)

15. 'बौद्ध दर्शन का प्रतीत्य समुत्पाद'
'The Pratityasamutpada of Buddhist philosophy'

(Write above this line only)

16. ऋण
Rin

ऋण से तात्पर्य है व्यक्ति अपने सामाजिक व भौतिक जीवन के लिये ऋणी है। ये 3 प्रकार के होते हैं -

① पितृ ऋण ② देव ऋण ③ ऋषि ऋण

इन ऋणों को चुकाने हेतु व्यक्ति प्रतिबद्ध है अन्यथा उसे अधिभौतिक, आध्यात्मिक, आत्मिक व्याधि होती है।

1½

(Write above this line only)

17. ''व्यक्ति स्वेच्छा से बुरा नहीं होता।'' उक्त कथन को स्पष्ट कीजिए।
"A person does not become bad voluntarily." Explain the above statement.

कोई भी व्यक्ति स्वेच्छा से बुरा नहीं होता' कथन का आशय है कि उसका बुरा होना - समय, काल, स्थान, परिस्थिति पर निर्भर करता है। कार्ल मार्क्स का कथन "मनुष्य अपने पर्यावरण का उत्पाद है" इसकी पुष्टि करता है।

व्यक्ति सुख-प्राप्ति हेतु स्वेच्छा से शुभ कर्म करना चाहता है।

(Write above this line only)

18. सद्गुणों की विशेषताएँ लिखिए।
Write the characteristics of virtues.

① ये आदर्श गुण/रूप हैं।
② ये अमूर्त हैं।
③ ये सीखे जाते हैं।
④ सामाजिक व्यवस्था व न्याय प्रदान करते हैं।

सुकरात - ज्ञान सद्गुण. प्लेटो - बुद्धि, संवेग, न्याय, साहस. अरस्तू - मध्यम मार्ग।

① अर्जित किये जाते
② उचित कर्म की प्रेरणा

1½

(Write above this line only)

19. महात्मा गांधी के 'एकादश व्रत' पर टिप्पणी लिखिए।
Write comment on Mahatma Gandhi's 'Eleven Vows'.

गांधीजी द्वारा व्यक्तित्व के आदर्श रूप व समाज के उत्थान के लिये ये व्रत दिये गये जो निम्न हैं-

① सत्य ② अहिंसा ③ अस्तेय
④ अपरिग्रह ⑤ ब्रह्मचर्य ⑥ अभय ⑦ अस्वाद
⑧ अस्पृश्यता ⑨ सर्वधर्मसमभाव ⑩ अस्वाद ⑪ शारीरिक श्रम

(Write above this line only)

20. निष्पक्षता के आधारभूत घटकों को उल्लेखित कीजिए।
Mention the basic components of impartiality.

① ईमानदारी ② सत्यनिष्ठा ① संवैधानिक पालना
③ पारदर्शिता ④ जवाबदेहिता ② सार्वजनिक हित को वरीयता
⑤ वस्तुनिष्ठता

(Write above this line only)

21. 'अरस्तु के गोल्डन मीन सिद्धान्त' पर टिप्पणी लिखिए।
Write comment on 'Aristotle's Golden Mean Theory'.

(Write above this line only)

22. 'प्रशासन में जनसहभागिता' की धारणा को स्पष्ट कीजिए।
Explain the concept of 'public participation in administration'.

① प्रशासन में जनसहभागिता से तात्पर्य है - लोगों या जनता की भागीदारी सुनिश्चित होना।
② यह किसी लोकतंत्र की सफलता का आधार तत्व है।
③ यह सर्वोदय व निष्पक्षता तय करती है।
④ यह प्रशासन की सफलता व समाज की असमानता को दूर करते हुए सामाजिक, आर्थिक व राजनैतिक न्याय लाती है।

(Write above this line only)

23. निर्णय प्रक्रिया में नैतिकता को बढ़ावा देने वाले कारकों के नाम लिखिए।
Name the factors that promote ethics in the decision making process.

① निर्णय से जुड़े अपने व्यक्तिगत व पारिवारिक हित उजागर करना।
② सही प्रक्रिया का पालन करना।
③ जन सहभागिता लाना व निष्पक्षता लाना।
④ पारदर्शिता सुनिश्चित करना व सर्वोदय की ओर अग्रसर होना।

(Write above this line only)

24. अष्टांगिक मार्ग
Eightfold Path

दृष्टि कर्मान्त स्मृति
संकल्प आजीव समाधि
वाक् व्यायाम

यह पतंजलि के योग दर्शन से संबंधित है जो 8 योग क्रियाओं को समाहित करता है।-
① यम ② नियम ③ आसन ④ प्राणायाम
⑤ प्रत्याहार ⑥ धारणा ⑦ ध्यान ⑧ समाधि

(Write above this line only)

25. वैदिक परम्परा में उल्लेखित कर्मों पर टिप्पणी लिखिए।
Write comment on the karmas (deeds) mentioned in the Vedic tradition.

(1) प्रारब्ध कर्म
(2) संचित कर्म
(3) संचीयमान कर्म

वैदिक परंपरा कर्मों के पालन पर जोर देती है व ये कर्म ~~कर्म~~ ~~[illegible]~~ योग्यता के अनुरूप वर्गीकृत किये गये थे। ये सभी कर्म समान थे। क ~~[illegible]~~ ~~[illegible]~~

3

(Write above this line only)

Part - B

Note : Answer the following questions in 50 words. Each question carries 5 marks.
नोट : निम्न प्रश्नों के उत्तर 50 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

1. सर्वोदय की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इसकी सीमाएँ बताइये।
Explain the concept of Sarvodaya and explain its limitations.

भौतिक व आध्यात्मिक विकास
(1) नैतिक व्यक्तियों की आवश्यकता
(2) भावनात्मकता आध्यात्मिकता
(3) औद्योगीकरण व उपभोक्तावाद

सर्वोदय का तात्पर्य है - "सभी वर्गों ~~क~~ के सभी लोगों का सभी तरह से उदय।" गांधीजी द्वारा इस सिद्धांत का प्रतिपादन सामाजिक असमानता, गरीबी को दूर करने के लिये जॉन रस्किन की पुस्तक "Unto the last" से प्रभावित होकर किया गया।

कर्तव्य

2

सीमाएँ (1) वर्तमान युग जो कि पूंजीवादी रूप धारण किये है में इसकी प्रासंगिकता कम हुई है।
(2) संसाधनों की कमी इसे पूरा करने में असमर्थ हुई है।
(3) ~~पूर्ण~~ समता महज एक आदर्श व ~~[illegible]~~ काल्पनिक स्थिति है।

(Write above this line only)

2. किसी व्यक्ति की राजनीतिक अभिवृति को प्रभावित करने वाले कारकों को उल्लेखित कीजिए।

Mention the factors influencing the political attitude of a person.

मीडिया / शिक्षा / सोशल मीडिया / समूह दबाव / आर्थिक दबाव

आर्थिक स्थिति, लिंग, उम्र, ~~[illegible]~~ जाति, वर्ग, स्थिति आदि ऐसे तत्व हैं जो राजनीतिक अभिवृत्ति को प्रभावित करते हैं -

आर्थिक स्थिति - अमीर लोग व्यवस्था परिवर्तन के समर्थक नहीं होते वहीं गरीब इसमें परिवर्तन चाहते हैं

लिंग - महिला वर्ग ऐसा मानता है कि उनके अधिकारों की त्रुटि हो रही है अतः वह राज्य शक्ति का विस्तार चाहता है व इसे परिवर्तन

1½

उम्र - युवा तीव्र परिवर्तन के समर्थक हैं वहीं बुजुर्ग परिवर्तन विरोधी यथास्थिति के पक्ष

जाति - पिछड़ी जाति सशक्तिकरण, आरक्षण चाहती है व कुलीन परिवर्तन विरोधी

सांस्कृतिक वर्ग - पुनर्जागरण का पक्षधर वहीं कुछ लोग इसके विरोधी।

(Write above this line only)

3. सामाजिक न्याय की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए विभिन्न दार्शनिकों के अनुसार सामाजिक न्याय के सिद्धान्तों को उल्लेखित कीजिए।

While clarifying the concept of social justice, mention the principles of social justice according to various philosophers.

सामाजिक न्याय से तात्पर्य है अवसरों की समता आधारित संसाधन वितरण जहाँ सभी के अधिकारों की सुरक्षा मिले।

सामाजिक न्याय सिद्धांत -

2

① ~~[illegible]~~ प्रतिकारात्मक न्याय → अपराध के बदले उस...

~~[illegible]~~, अरस्तू → वितरण न्याय → प्रकृति के अनुसार ... योग्यता व योगदान पर आधारित संसाधन वितरण

2. ~~प्लेटो~~ ⇓ विवेक, साहस, संयम का पालन ही न्याय है व इन्हीं आधारों पर कार्यविभाजन की अनुशंसा

3 गांधी सर्वोदय व रामराज्य की स्थापना ही न्याय है

4 जॉन रॉल्स न्याय के नियमों का निर्माण स्वयं की समता, परिस्थिति से अधिक [illegible] अज्ञानता का पर्दा व उनका पालन ही न्याय

(Write above this line only)

4. सिविल सेवा के सन्दर्भ में आधारभूत मूल्यों को परिभाषित करते हुए उन मूल्यों के नामोल्लेखित कीजिए।
While defining the basic values in the context of civil service, name those values.

सिविल सेवा के आधारभूत मूल्य जो नोलन समिति द्वारा प्रतिपादित किये गये निम्न हैं -

① ईमानदारी – अपने अधिकारों की सीमा में रहते हुए अपने कर्तव्यों का पूर्ण निर्वहन करना।

② सत्यनिष्ठा – मन, विचार, कर्म में समरूपता रखना।

③ नेतृत्व – अपने अच्छे फल कार्यों का जिम्मा लेना व असफलता का श्रेय टीम को देना।

④ जवाबदेहिता – अपने कर्तव्यों के व कार्यों की जिम्मेदारी रखना

⑤ पारदर्शिता – कार्यों से संबंधित निर्णयों व हितों का उजागर करना।

⑥ वस्तुनिष्ठता – नियमों का पालन करना

⑦ निष्पक्षता – अंत्योदय व सर्वोदय तय करते हुए समान भाव से कार्य करना।

(Write above this line only)

5. ''सर्वोदय की अवधारणा मार्क्सवाद से भिन्न है।'' स्पष्ट करें।
"The concept of Sarvodaya is different from Marxism." Explain.

	सर्वोदय	मार्क्सवाद
① अर्थ	सभी वर्गों का सभी तरह से उदय	सर्वहारा वर्ग का उत्थान व बुर्जुआ वर्ग का दमन
② प्रकृति	अहिंसा	आवश्यकता पड़ने पर हिंसा का प्रयोग
③ अवधारणा	व्यापक अवधारणा	संकीर्ण अवधारणा
④ प्रतिपादक	रस्किन, गांधीजी	मार्क्स, लेनिन

सर्वोदय सहमति पर आधारित असमानता, गरीबी को दूर कर रामराज्य स्थापित करने का सिद्धांत पर आधारित है वहीं मार्क्सवाद क्रांति के बिगुल बजाने का पक्षधर है।

(Write above this line only)

6. गांधीजी के दर्शन में वर्ण व्यवस्था के समर्थन के आधारों को बताइये।
Tell the grounds for supporting the caste system in Gandhiji's philosophy.

गांधीजी द्वारा वैदिक कालीन वर्ण व्यवस्था निम्न आधारों पर समर्थित थी -

(1) स्वधर्म की पालना

① टकराव मिटाना - यदि सभी लोग एक निश्चित व विभाजित कार्य करेंगे तो रोजगार संबंधी झगड़े नहीं होंगे।

(2) वंशानुगत व्यवसाय

② कार्य सीखने में आसानी - व्यक्ति जन्म के तुरंत बाद ही अपने पूर्वजों से कार्य सीख जायेगा व समय का सदुपयोग होगा।

(3) सामाजिक कर्तव्यों का पालन

③ समान स्थिति - सभी रोजगारों की स्थिति व वेतन समान होना चाहिए व समाज में सभी कार्यों को समान दृष्टि से देखा जाना चाहिए।

④ पारंपरिक व्यवस्था - समाज को अपनी संस्कृति से दूर नहीं भागना चाहिए।

(Write above this line only)

7. "सुखवादी गणना नितान्त अव्यवहारिक है।" उक्त कथन को स्पष्ट कीजिए।
"Hedonic calculation is completely impractical." Explain the above statement.

निश्चित वस्तु नहीं

आयामों में भिन्नता

सुखवादी गणना का तात्पर्य है सुख की गणितीय रूप में आंकलन। सुख एक अमूर्त व आत्मनिष्ठ विषय है, ना तो इसके गुणों की कोई स्पष्ट व्याख्या है, ना ही इसकी मात्रा की। ये कारण ही इसकी गणना को असंभव बनाते हैं व इसकी गणना को परिहास का विषय साबित करते हैं।

(Write above this line only)

8. प्रशासनिक नीतिशास्त्र की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इसमें समावेशित किए जाने वाले तत्वों को लिखिए।
Explaining the concept of administrative ethics, write the elements to be included in it.

प्रशासनिक नीतिशास्त्र का तात्पर्य है - प्रशासन में नैतिक नियम व मूल्यों का पालन।
पारदर्शिता, निष्पक्षता, ईमानदारी, जवाबदेहिता, समतामूलक समाज की स्थापना का उद्देश्य, वस्तुनिष्ठता, सत्यनिष्ठा इत्यादि ऐसे तत्व हैं जो प्रशासनिक नीतिशास्त्र में समाहित हैं व प्रत्येक व्यक्ति को इस तक पहुंच तय कर समाज का उत्थान तय करते हैं।

जवाबदेहिता
शालीनता
गोपनीयता
तटस्थता
दृष्टिकोण
सहानुभूति
समानता

(Write above this line only)

9. रवीन्द्रनाथ टैगोर के अनुसार मानव स्वरूप के पक्षों को नामोल्लेखित करते हुए उन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
According to Rabindranath Tagore, name the aspects of human nature and write short note on them.

रवीन्द्रनाथ टैगोर के अनुसार मानव स्वरूप के 2 पक्ष हैं - ① असीम पक्ष ② ससीम पक्ष

असीम पक्ष - यह मानव की जैविक उत्पत्ति व स्थिति का सूचक है।

ससीम पक्ष - यह मानव की आध्यात्मिक व आत्मिक पक्ष से संबंधित है। यह इन पक्षों के सतत विकास का समर्थक है।

असीम पक्ष
आत्मा — अमरता की चाह — प्रकृति की ओर
मानीम (प)
(शरीर) - इच्छा आय

(Write above this line only)

10. शासन में भेदभावहीनता एवं राजनैतिक गैर-तरफदारी से होने वाले लाभों को लिखिए।
Write the benefits of non-discrimination and political non-partisanship in governance.

लाभ ① सभी लोगों को अवसरों की समता मिले
② आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक न्याय सुनिश्चित होगा
③ समता मूलक समाज का निर्माण होगा जो गरीबी, असमानता से रहित होगा।
④ लोकतंत्र मजबूत होगा।
⑤ सर्वोदय व अंत्योदय की अवधारणा को साकार किया जा सकेगा।
⑥

(1) कार्यकुशलता ↑
(2) लोगों में विश्वास ↑
(3) उत्तरदायी सहभागी
(4) संसाधनों का समान वितरण

(Write above this line only)

11. मानवीय मूल्यों के विकास में समाज की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।
Explain the role of society in the development of human values.

व्यक्ति समाज में स्वीकार्यता बनाने हेतु लंबे समय तक समाज के सतत संपर्क में रहता है जिससे निम्न तरह व समाज मूल्यों निर्माण करता
① प्रेरणा स्त्रोत के रूप में - व्यक्ति समाज से प्रेरणा पाकर विकसित करता है।
② सामाजिक मूल्य - समाज में स्वीकार्य मूल्य सीखता है नकारे गये मूल्यों से दूरी बनाता है।
③ राजनैतिक मूल्य - समाज के माध्यम से राजनीतिक मूल्यों
④ धार्मिक मूल्य - अपने समाज के धर्म से संबंधित मूल्य जैसे-दया, अहिंसा
⑤ मित्र मंडली - सर्वाधिक प्रभावित करने वाले कारक जहाँ व्यक्ति - सहयोग, साझा की भावना सीखता है।

(1) सौहार्द
(2) सहयोग
(3) अनुशासन
(4) नागरिक चेतना
(5) प्रकृति-प्रेम

(Write above this line only)

12. किसी व्यक्ति के नैतिक कर्त्तव्यों की पालना में 'ऋण' की धारणा किस प्रकार उपयोगी हो सकती है, समझाइये।
Explain how the concept of 'Rin' can be useful in fulfilling the moral duties of a person.

ऋण — नैतिक कर्तव्य की पालना

① पितृ ऋण → (i) माता-पिता की सेवा करने के कर्तव्य पालना में जरूरी
(ii) संतान उत्पत्ति व उसकी पालना की जिम्मेदारी निभाना

② देव ऋण → (i) यज्ञ, प्रार्थना आदि के माध्यम से संस्कृति के संरक्षण के कर्तव्य का निर्वहन
(ii) धर्म के दया, करुणा के सिद्धांतों का पालन

③ ऋषि ऋण (i) वेद, किताबों का अध्ययन व अध्यापन वैज्ञानिक दृष्टिकोण के निर्माण व समाज को सभ्य बनाने में जरूरी
(ii) समाज के उत्थान का मुख्य स्तंभ के रूप में कार्य।

(Write above this line only)

13. 'राजनीतिक सामाजीकरण' को परिभाषित करते हुए इस पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
Define 'political socialization' and write short note on it.

राजनीतिक सामाजीकरण का तात्पर्य है - राजनीति अथवा राजनीतिक मूल्यों को समाज के सभी भागों में पहुँचाना व एक मजबूत व सुदृढ़ राजनीतिक समाज का निर्माण करना।

समाज में लोकतांत्रिक मूल्य विकसीत करने,
सभी को उनके अधिकारों से अवगत करने
सभी को उनके कर्तव्य निर्वहन के लाभ समझाने
उनकी राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करने में राजनीतिक सामाजीकरण का महत्वपूर्ण योगदान है।

सामाजीकरण की प्रक्रिया
राजनीति से संबंधित
व्यक्ति
राष्ट्र
अभिवृत्ति
मतदान
स्कूल
परिवार
कार्यालय

(Write above this line only)

14. "प्लेटो के न्याय की अवधारणा विधिगत न होकर नीतिगत है।" उक्त कथन को स्पष्ट कीजिए।

"Plato's concept of justice is not legal but ethical." Explain the above statement.

न्याय एक आंतरिक सद्गुण है। → बाह्य आरोपित ना होकर आत्मारोपित है।

प्लेटो का न्याय है - बिना हस्तक्षेप के प्राप्त कार्यों की अनुपालना करना।
ये कार्य विवेक (बुद्धि से उत्पन्न), साहस (उद्वेग से उत्पन्न) व संयम (इच्छा से उत्पन्न) द्वारा वर्गीकृत है।
किंतु विधि द्वारा ऐसे कोई मापदंड नहीं है व ना ही ऐसा कोई मापक है जो इन्हें इनका पता लगाये।
इस प्रकार प्लेटो की अवधारणा विधिगत न होकर नीतिगत है।

(Write above this line only)

15. "तुम्हें करना चाहिए, इसलिए तुम कर सकते हो।" काण्ट के इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

"Ought implies can." Explain this statement of Kant.

संकल्प बाध्य प्रकृति द्वारा निर्धारित

कांट मनुष्य को महत्त्व प्रदान करते हैं व इस कथन द्वारा यह कहना चाहते हैं कि जो दायित्व निर्वहन योग्य हैं उन्हें पूरा करने में कोई बाधा नहीं है। अतः हर वह काम जो इंसान को करना चाहिए वह कर सकता है।

(Write above this line only)

16. "व्यक्ति के आदतन या अभ्यासजन्य कर्म नैतिकता के दायरे में आते हैं।" सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

"The habitual or customary actions of a person come under the ambit of morality." Explain with example.

व्यक्ति भले ही कोई कर्म रोज आदत के तौर पर करे या नित्य अभ्यास करे उसके ये कर्म अनैतिक भी हो सकते है। आदतन होना या अभ्यास नित्य होना नैतिकता का प्रमाण नहीं है।

उदाहरण के तौर पर कोई व्यक्ति रोज बच्चे की पिटाई कर रहा हो या वृद्ध के साथ अमानवीय व्यवहार रोज कर रहा हो किंतु ये अनैतिक है।

अभ्यास जन्य कर्म नैतिकता मे आते

(Write above this line only)

Part - C

Note : Answer the following questions in 100 words. Each question carries 10 marks.

नोट : निम्न प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

1. 'नैतिक द्वंद्व या दुविधा' को परिभाषित करते हुए सरकारी संस्थानों में उत्पन्न होने वाली नैतिक दुविधाओं को लिखते हुए उनके समाधान प्रस्तुत कीजिए।

While defining 'ethical conflict or dilemma', write down the ethical dilemmas arising in government institutions and present their solutions.

नैतिक द्वन्द्व या दुविधा से तात्पर्य है - किन्हीं नैतिक मूल्यों व नैतिक नियमों के मध्य टकराव। ये (i) व्यक्तिगत हित विरुद्ध लोक हित (ii) सही बनाम सही (iii) या दोनों के एक साथ होने की स्थिति में उत्पन्न होते हैं।

4½

सरकारी संस्थानों में उत्पन्न होने वाली नैतिक दुविधाएँ -

① राजनीतिक दबाव व हस्तक्षेप - जब नेता अवैध कार्य को करवाने या अपने हित में कार्य करवाने हेतु दबाव डाले। समाधान (i) लिखित में आदेश देने को बोलें (ii) सही गलत का भेद समझ...

② जनता का दबाव - मीडिया, दबाव समूह आदि के माध्यम से निर्णय प्रक्रिया को बाधित करना।

समाधान (i) पारदर्शिता बढ़ाना
(ii) नियमों की पालना करना

③ विभाग या मंत्रालय से दबाव - किसी मंत्री द्वारा या विभाग के ~~सीनीयर~~ उच्च पदाधिकारी द्वारा अनैतिक कार्य का दबाव बनाना। समाधान (i) लिखित आदेश की ही पालना कर... (ii) संविधान को सर्वोच्चता देना

विवेकाधीन शक्तियों का प्रयोग
व्यक्तिगत नैतिकता और संगठनात्मक नैतिकता
समाधान संवैधानिक मूल्य
आचार संहिता एवं नीति संहिता

(Write above this line only)

2. बोधिसत्व की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इसका महत्व उल्लेखित करते हुए वर्तमान में इसके लाभ बताइये।
Explain the concept of Bodhisattva, mention its importance and tell its benefits at present.

बोधिसत्व बुद्ध के जीवनवृत्तों से प्रेरित चित्ररूप में धार्मिक संदेश है।

उदाहरण के तौर पर - बुद्ध द्वारा प्रनय मुद्रा में होना इस बात को इंगित करता है कि हमें किस प्रकार क्षमा कर देना चाहिए। यह वर्तमान में भी शांति स्थापना हेतु एक प्रमुख निर्धारक हो सकता है।

~~अतः~~

बोधिसत्वों में उनके जन्म की कथा को हाथी के उनकी माता के गर्भ के निकट होना दर्शाया है जो प्रकृति के ईश्वरीय रूप की व्याख्या करता है व प्रकृति के संरक्षण के महत्व को वर्तमान में भी प्रासंगिक बनाता है।

एक बोधिसत्व में बुद्ध के निकट अनेक अप्सरी रूप दर्शाये गये है जो बुद्ध व बुद्ध उनसे न प्रभावित हुए बिना ध्यानमग्न है। ये इस बात को सिद्ध करता है कि बुरी चीजो से भटकना नहीं चाहिए। यह वर्तमान समय में अपराध रहित समाज के निर्माण हेतु जरूरी है।

महायान में नैतिक आदर्श
① समष्टिगत कल्याण।
② मानववाद
नि: स्वार्थ समाज सेवा
③ समानुभूति सहिष्णुता व करुणा।
④ साम्प्रदायिक सौहार्द
एकलतांत्रिकवाद

2½

(Write above this line only)

3. "नैतिक कर्त्तव्यों व कानूनी दायित्वों में एकरूपता का अभाव हो सकता है।" सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
"There may be lack of uniformity in moral duties and legal responsibilities." Explain with example.

नैतिक कर्त्तव्यों से तात्पर्य है नैतिक मूल्यों व नियमों का अनुपालन जो समाज ने बनाये है व प्रचलित हैं।

वहीं कानूनी दायित्वों से तात्पर्य है - कानून में उल्लेखित विधानों के अनुसार प्राप्त दायित्वों का निर्वहन। नैतिक कर्त्तव्य विधि पालन को सुनिश्चित नहीं करते है अतः वांछनीय होने पर भी इनकी स्वीकार्यता कम है क्योंकि ये विधिक परिपुष्टि से रहित है। उदाहरण के तौर पर - कोरोना के समय बहुत से बेघर लोगों को आश्रय प्रदान करना, निःशुल्क एक नैतिक कर्त्तव्य था किंतु सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार संदेह रोगी के रूप में रहे आश्रय देने की मनाही थी।

5

इस उदाहरण से सुस्पष्ट है कि इन दोनों में एकरूपता का अभाव है। बहुत से पहलुओं पर ये समान होने के बावजूद एक बड़े अंश में एक-दूसरे से भिन्न है।

कर्तव्य → मानवता की नैतिक भावना, अंतःकरण की प्रेरणा या उचित कार्य की प्रकृति से होता है

कानूनी दायित्व → एक कानूनी बंधन है → करने या ना करने के लिए बाध्य

4. ऋत् की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इसके आयामों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए तथा ऋत किस प्रकार प्रशासनिक उत्कृष्टता को संवर्धित करता है, समझाइये।

Explaining the concept of Rit, write a short note on its dimensions and explain how Rit promotes administrative excellence.

ऋत का तात्पर्य है उन सभी कारको से है जिनकी वजह से इस समाज का अस्तित्व है।

ऋत के आयाम - ① भौतिक आयाम - यह पृथ्वी की भौतिक व्यवस्था तय करता है जैसे - ऋतु निर्माण, वायु प्रवाह

② नैतिक ऋत - यह नैतिक नियमों के निर्माण हेतु उत्तरदायी है

③ कर्मकाण्डीय ऋत - यह समाज के धार्मिक नियमों के लिये उत्तरदायी है।

ऋत के जिस प्रकार विभिन्न आयाम हैं व ये ब्रह्माण्ड की वर्तमान अवस्था को तय करते हैं उसी प्रकार प्रशासनिक तंत्र भी समाज की वर्तमान अवस्था के लिये उत्तरदायी है व प्रशासन भी ऋत की भाँति अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन की अनुपालना निश्चित करे तो समाज में सुव्यवस्था आयेगी व उसमें भी उन निश्चित नियमों का निर्माण हो सकेगा जो इसे उत्कृष्ट प्रकार करेंगे व यह रूप ही प्रशासनिक उत्कृष्टता का अंतिम रूप होगा।

① प्राकृतिक नियम ② नैतिक नियम

6

① धार्मिक न्याय ② उचित या नियमों के अनुरूप ③ ऋत सदाचार

(Write above this line only)

5. निम्न पर टिप्पणी लिखिए/Write a comment on the following-
   1. करूणा का प्रशासन में महत्व/Importance of compassion in administration
   2. धर्म निरपेक्ष नैतिकता व धार्मिक नैतिकता/Secular morality and religious morality

1. करूणा का प्रशासन में महत्व

करूणा प्रशासन को उस वर्ग की ओर ध्यान देने को प्रेरित करती है जो कर्ज, गरीबी, अधिकार विहीन जीवन जीने पर मजबूर है व अपने हितो से अनभिज्ञ है। करूणा एक शक्ति के रूप में कार्य कर प्रशासन को इनके समाधान हेतु प्रेरित करती है। यह समाज में सर्वोदय की भावना लाती है व प्रशासन को जिम्मेदारी का अहसास कराती है।

प्रशासक को
① जनउपयोगी
② कल्याणकारी
③ वन्यजीवो तथा पर्यावरण संरक्षण
④ कमजोर वर्गो का कल्याण

5½

2.

धर्म निरपेक्ष नैतिकता	धार्मिक नैतिकता
किसी धर्म विशेष का ध्यान न रखकर नैतिक मूल्यों का अनुपालन करना धर्मनिरपेक्ष नैतिकता कहलाता है।	धार्मिक उपदेशो, ग्रंथों, धर्म आदि से प्राप्त नैतिक नियमों की अनुपालना धार्मिक नैतिकता कहलाती है। उदा. दया, करूणा

इन दोनों में समरूपता व विषमताएँ दोनों पायी जाती है।

(Write above this line only)

6. श्रीमद् भगवद्गीता के दर्शन की प्रशासन में भूमिका पर लेख लिखिए।
Write an article on the role of the philosophy of Srimad Bhagavad Gita in administration.

श्रीमद् भगवद्गीता में उल्लिखित स्थितप्रज्ञता, धर्म की स्थापना, स्वधर्म के महत्व, न्याय इत्यादि जैसे दर्शन प्रशासन में एक मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हैं व इसे कर्मठ बनाते हैं।

स्थितप्रज्ञता — प्रशासन में एक सिविल सेवक को भावनाओं से प्रभावित हुए बिना अपने कर्तव्य पालन को पूरा करना चाहिए।

स्वधर्म की पालना — प्रशासन में स्वधर्म की पालना अर्थात् अपने दायित्वों का पालन समाज के कल्याण को [illegible]

धर्म की स्थापना — इसका तात्पर्य "समाज से अपराध व कुरीतियों को दूर कर एक अच्छे समाज के निर्माण" को समझकर प्रशासन सुव्यवस्था ला सकता है।

निष्काम कर्म — गीता फल से आसक्ति न रख कर्म के पालन पर जोर देती है "कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन" जो प्रशासन में वस्तुनिष्ठता लाता है व कर्तव्यपालन

योग — "योगः कर्मसु कौशलम्" से गीता द्वारा कर्म के कौशल पर जोर दिया है जो कार्य में दक्षता लाने हेतु प्रेरक है।

इस प्रकार गीता एक धार्मिक ग्रंथ होने के साथ ही एक प्रेरणा स्रोत भी है जो नैतिकता के उन सभी मूल्यों को समाये हुए है जो प्रशासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अर्जुन के ज्ञान

मित्र व शत्रु के प्रति, सम्मान व अपमान के प्रति एक समान

7. केस स्टडी-

आप प्रदेश के लोक निर्माण विभाग में एक वरिष्ठ अधिकारी हैं, जिसके कारण सरकार के निर्णयों एवं गोपनीय सूचनाओं की जानकारी आपको पहले ही मिल जाती है। सरकार ने वर्तमान में अवसंरचना के विकास के लिये कुछ ऐसे निर्णय लिये हैं, जिनकी जानकारी यदि अवसंरचना के विकास में लगी कम्पनियों को लग जाये तो वे बड़ा लाभ कमा सकती हैं। इन कम्पनियों में से एक ऐसी है, जिसने पूर्व में सरकार के लिए काफी अच्छा एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य किया है तथा इस कम्पनी का मालिक विभाग के मंत्री का घनिष्ठ है, तथा मंत्री ने उस सूचना को अपने घनिष्ठ को देने का संकेत आपको दिया है। ऐसी स्थिति में आपके पास क्या-क्या विकल्प उपलब्ध हैं तथा प्रत्येक विकल्प का परीक्षण करके बताइये कि आप कौन-सा विकल्प चुनेंगे?

Case Study-

You are a senior officer in the Public Works Department of the state, due to which you already get information about government decisions and confidential information. At present, the government has taken some such decisions for the development of infrastructure, if the companies engaged in the development of infrastructure are aware of them, then they can earn huge profits. One of these companies is such, which has done very good and quality work for the government in the past and the owner of this company is close to the minister of the department, and the minister has indicated to you to give that information to his close friend.

In such a situation, what are the options available to you and after examining each option, tell which option you will choose?'

उपलब्ध विकल्प –

① मंत्री को इस स्थिति की अवैधता की सूचना देना

② लिखित आदेश की मांग करना

③ विभाग को इस घटना की जानकारी देना

④ वरिष्ठ लोक सेवक से मार्गदर्शन लेना।

⑤ कंपनी की पूर्व की विभाग से संलिप्तता की जांच पड़ताल कर विभाग को भेजना

विकल्प-1 मंत्री को इस स्थिति की अवैधता की जानकारी देना

परीक्षण ↳ यह मंत्री को यह स्थिति स्पष्ट कर सकती है कि यह गलत है

विकल्प - 2 लिखित आदेश की मांग करना

यदि विकल्प 1 का प्रयोग करने के बाद भी मंत्री अड़िग है तो उन्हे लिखित आदेश देने को बोलना।

हो सकता है उन्हे यह पश्चाताप लगे पर यह नियमों की पालना हेतु जरूरी है।

विकल्प - 3 विभाग को जानकारी

उक्त घटना की जानकारी विभाग को देना ताकि वे कर्तव्य निर्वहन में उत्पन्न इस बाधा का समाधान उपलब्ध करवा पाये

विकल्प - 4 मार्गदर्शन

एक लोक सेवक ने इस तरह की परिस्थितियां वरिष्ठ देखी होती हैं व उन्हे निपटने का बेहतर ज्ञान होता है तो उनकी सलाह महत्वपूर्ण हो सकती है

विकल्प - 5 पूर्व की घटनाओं की जाँच पड़ताल

→ यह पहले की अनियमितताओं का भी परीक्षण (उजागित होना)

इन सभी विकल्पों में विकल्प 1 सबसे सही है क्योंकि यह वैधता की स्थिति स्पष्ट करेगा व मंत्री को इस बात का अहसास भी करायेगा कि यह गलत है अत: मैं यह विकल्प चुनूंगा।

हिन्दी व्याकरण- शब्द युग्म, वाक्यांश के लिए एक शब्द व प्रारूप लेखन-अधिसूचना

1. निम्नांकित शब्द-युग्मों का अर्थ लिखिए- अंक - 5

(i) अमल - अम्ल

अमल - पालना ~~पालना~~ × स्वच्छ   अम्ल - खटास (1/2)

(ii) इंदिरा-इंद्रा

इंदिरा - पृथ्वी (लक्ष्मी), इंद्रा - इंद्र की पत्नी (1/2)

(iii) पायस-पायसा

पायस - बादल (1/2)   पायसा - खीर

(iv) भट - भट्ट

भट - योद्धा (1)   भट्ट - एक जाति विशेष (पंडित)

(v) शमीर-समीर

शमीर   समीर - हवा (1/2)

2. दिए गए वाक्यांशों के लिए एक-एक शब्द लिखिए- अंक - 5

(i) जो आज तक से संबंध रखता है

(ii) जिस भूमि के दोनों ओर जल हो

(1) जलडमरूमध्य / द्वीप

(iii) जो जाकर पुनः आ गया हो

अभ्यागत ×

(iv) प्रातः काल गाया जाने वाला एक राग

भैरवी (1)

(v) विभिन्न वनस्पति और औषधियों से तैयार पदार्थ

रसायन (1) ~~मेघ~~

3. सचिव, कार्मिक विभाग, राजस्थान सरकार की ओर से राजकीय कार्यालयों में कार्मिकों की उपस्थिति बायोमैट्रिक मशीन द्वारा अनिवार्य करने बावत् अधिसूचना जारी कीजिए।
अंक- 10

कार्मिक विभाग, राजस्थान सरकार

क्र. ए ४(1)/कार्मि/2024/105 जयपुर, दिनांक - जनवरी 14, 2024

अधिसूचना

विषय - बायोमैट्रिक मशीन की अनिवार्यता हेतु।

संदर्भ - राजस्थान सरकार की केबिनेट मिटिंग के आदेश के संदर्भ में।

(5)

राज्यपाल महोदय की आज्ञा से यह अधिसूचना जारी की जाती है कि दिनांक - जनवरी 25, 2024 से सभी सरकारी कार्यालयों व विभागों में उपस्थिति बायोमैट्रिक के माध्यम से की जायेगी। आदेश की अनुपालना न होने की स्थिति में कर्मचारी को गैर-हाजिर माना जायेगा व कानूनी कार्यवाही की जायेगी।

ह. क ख ग
(सचिव)

क्र. प.
प्रतिलिपि - निम्नलिखित को कार्यवाही हेतु प्रेषित है - दिनांक

1. उपसचिव, कार्मिक विभाग, राजस्थान सरकार
2. मुख्य सचिव, राजस्थान सरकार, जयपुर
3. रक्षित पत्रावली

ह. क ख ग
(सचिव)

(Write above this line only)

Voice-Active & Passive and Letter Writing

(A) Identify the error and rewrite the correct form of the following sentences: (Q. No. 1-10) **Marks 10**

1. He will be punish for his misbehaviour.

He will be punished for his misbehaviour.

2. Spectacles were gave to me by him.

3. Billiards are play by them.

Billiards is played by them.

4. Let a book be bring.

Let a book to be brought.

5. The dinner was ready before we arrived.

6. The sun is risen.

The sun is rise.

7. Whom do he look for?

Whom is he looked for ?

8. This watch need be not wounded.

This watch need not to be wounded.

9. Surely the lost child must have found by now.

10. One must keep his promises.

One must be keep his promise.

(B) Write a letter to the Superintendent of Police of your district criticising the rude behaviour of a police official.

Or

Write a letter to the Editor, the Indian Express, Jaipur about transport and traffic problems of Jaipur.

Marks 10

120, Vivek Vihar
Jaipur
Date - January 14, 2024

Superintendent of police
Jaipur

5½

Subject - Complaining about rude behaviour of police officials.

Dear Sir,

I would like to draw your kind attention towards a issue happened to me yesterday in ~~malviya~~ vivek vihar police station. I was robbed by ~~a~~ knife on January 13. ~~When~~ yesterday when I went to ~~go~~ register my complaint, the Incharge didnot registered my complaint and asked for bribe in return.

I would be gratful if you look into this matter and resolve the problem.

Thanking You
Yours ~~ob~~faithfull
XYZ

Space for Rough Work